



नाको समाचार

अप्रैल – दिसंबर 2018
खंड X अंक 16 (II)



National AIDS Control Organisation
India's Voice against AIDS
Ministry of Health & Family Welfare, Government of India
www.naco.gov.in



Beti Bachao Beti Padhao



एक कदम स्वच्छता की ओर





राज्य

नागालैंड.....	03	ओडिशा.....	12
अरुणाचल प्रदेश.....	04	गोवा.....	13
जम्मू और कश्मीर.....	05	उत्तर प्रदेश.....	15
मुंबई.....	06	गुजरात.....	16
हरियाणा	08	पश्चिम बंगाल.....	17
कर्नाटक.....	09	अंडमान और नीकोबार.....	18
छत्तीसगढ.....	10	चंडीगढ.....	19
मेघालय.....	11	महाराष्ट्र.....	19

नागालैंड

एच.आई.वी. संक्रमित की पॉपुलेशन के बच्चों और सभी की पॉपुलेशन के किशोर बच्चों के लिए सामाजिक सुरक्षा पर राज्य स्तरीय बैठक



कोहिमा में सामाजिक सुरक्षा पर राज्य स्तरीय बैठक में सहभागी

13 अप्रैल, 2018 को कोहिमा में एच.आई.वी. संक्रमित की पॉपुलेशन (के.पी.) के बच्चों और सभी किशोर बच्चों के लिए सामाजिक सुरक्षा पर एक राज्य स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में समाज कल्याण विभाग, शिक्षा विभाग, नागालैंड राज्य विधायी सेवाएं प्राधिकरण

(एन.एस.एल.एस.ए.), नागालैंड बैप्टिस्ट चर्च कारुंसिल (एन.बी.सी.सी.), यूनियन बैप्टिस्ट चर्च (यू.बी.सी.), एन.एन.पी.+ एननागा दाओ, नागा मदर्स एसोसिएशन (एन.एम.ए.), लेजिस्लेटर्स फॉर्म ऑन एड्स (एल.एफ.ए), दिमापुर के टी.आई.गैर-सरकारी संगठनों, एफ.एच.आई. 360, एन.एस.ए.सी.एस. और

के.एच.पी.टी. से प्रतिनिधिगण ने भाग लिया। डॉ. नगंगशिमरेन, परियोजना निदेशक, एन.एस.ए.सी.एस. ने बताया कि इस परियोजना का लक्ष्य एच.आई.वी./एड्स से पीड़ित बच्चों के लिए प्राथमिकता पर स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा और कल्याण सेवाओं की पहुँच को बढ़ाना है।

परिणाम

1. सभी क्षेत्रों से सहायता और योगदान को दर्ज करना।
2. सर्विस पैकेज में तात्कालिक व्यवस्था करना।
3. राज्य की निर्दिष्ट आवश्यकताओं के अनुसार परियोजना को कार्यान्वित करना और परियोजना को पुनः परिभाषित भी करना।
4. सामुदायिक सहायता जुटाना।

नागालैंड एस.ए.सी.एस.

अरुणाचल प्रदेश

पन्योर नदी महोत्सव



पन्योर नदी महोत्सव में रॉक बैंड

निर्मल पन्योर नदी के तट पर तीन दिवसीय महोत्सव ने एच.आई.वी. के बारे में युवाओं में जागरूकता पहुंचाने के लिए अरुणाचल प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी के लिए एक अवसर का सृजन

किया। जागरूकता के लिए कार्यक्रम स्थल पर एच.आई.वी. पर आई.ई.सी. सामग्रियां, मेनस्ट्रीमिंग पैनलों, फ्लेक्स हैंगरों और पोस्टर प्रदर्शित किए गए थे। रॉक बैंड के कलाकारों ने प्रदर्शन और

एच.आई.वी./एड्स के संबंध संदेशों का प्रचार किया। 4000 से अधिक दर्शकों ने अत्यधिक उत्साह-उमंग के साथ नदी महोत्सव में भाग लिया।

अरुणाचल प्रदेश एस.ए.सी.एस.

जम्मू और कश्मीर

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आर.बी.एस.के.) का अनुवीक्षण शिविर



जम्मू और कश्मीर में अनुवीक्षण शिविर में गणमान्य व्यक्ति और सहभागी

डॉ. मुश्ताक अहमद राटेर, परियोजना निदेशक, जम्मू और कश्मीर एस.ए.सी.एस. के मार्गदर्शन में, एस.ए.सी.एस. के अधिकारियों और कर्मचारियों ने, जिनमें

डॉ. राश कर्षयाल, ए.डी.(बी.एस.डी.), श्री राजेश शर्मा, ए.डी., श्री वरुण गुप्ता, डी.ए. ने सरकारी उच्चतर माध्यमिक स्कूल में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम

(आर.बी.एस.के.) के अनुवीक्षण शिविर में भाग लिया, जिसका आयोजन राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, जम्मू द्वारा 7 अप्रैल, 2018 को किया गया था।

रक्तदान शिविर



रक्तदान शिविर में स्वेच्छा से रक्तदान करते लोग

लाला देद अस्पताल के सहयोग से रक्तदान शिविर का माननीय स्वास्थ्य एवं आयुर्विज्ञान शिक्षा राज्य मंत्री, जम्मू एवं कश्मीर सरकार द्वारा उद्घाटन किया गया।

जम्मू एवं कश्मीर एस.ए.सी.एस.

मुंबई

कलंक और भेदभाव के न्यूनीकरण के संबंध में स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं के लिए पक्षसमर्थन कार्यक्रम

यह देखा गया है कि एच.आई.वी./एड्स के साथ जीवन बिताने वाले लोगों, महिला सैक्स वर्कर और हिजड़ों को अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाते समय स्वास्थ्य कर्मियों की ओर से कलंक और भेदभाव का सामना करना पड़ता है। इस समस्या का समाधान करने के लिए, इंडिया एच.आई.वी./एड्स एलायंस (यू.एस.ए.आई.डी.) के सहयोग से डॉ. श्रीकला आचार्य, अपर परियोजना निदेशक, एम.डी.ए.सी.एस. के मार्गदर्शन में दो प्रमुख अस्पतालों, नामतः एल.टी.एम.जी. अस्पताल और बी.वाई.एल. नायर अस्पताल में एक पक्ष समर्थन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम का लक्ष्य डॉ. माणे, उपनिदेशक (एम.डी.ए.सी.एस.), श्री नाहिद मोहम्मद, श्रेणीय समन्वयक (नाको) और सुश्री महाप्रोलकर, कार्यक्रम अधिकारी (इंडिया एच.आई.वी./एड्स एलायंस) द्वारा संचालित तकनीकी सत्रों के माध्यम से देखरेख कर्मचारियों यथा वार्डबॉय, आयाबाई, हमाल, सेवक, सफाईकर्मी, सिपाही, नाई, परिचर्या कर्मचारी एवं छात्रों सहित स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं के ज्ञान का संवर्धन करना था।



डॉ. श्रीकला आचार्य, अपर परियोजना निदेशक, एम.डी.ए.सी.एस., पक्षसमर्थन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए

संवाद कार्यनीति कार्यशाला



मुंबई में संवाद कार्यनीति कार्यशाला के दौरान गणमान्य व्यक्ति और सहभागी

मुंबई जिला एड्स नियंत्रण सोसायटी ने कार्यनीति संवाद की पहचान उस मुख्य कारक के रूप में की है जो 2020 तक कार्यक्रम को 90:90:90 के लक्ष्य पाने में मदद कर सकते हैं। यूएनएड्स की सहायता से हितधारकों के साथ 3 मई, 2018 को एक परामर्श आयोजित किया गया। इसमें समुदायों, एनजीओ, सरकारी क्षेत्र के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। मुख्य दर्शकों

तक पहुंचने के लिए एम.डी.ए.सी.एस. द्वारा अपनाई गई सर्वश्रेष्ठ पद्धतियों को साझा किया गया। सहभागियों ने राय रखी कि हाल के वर्षों में प्रसारण मीडिया पर कम दृश्यता के कारण सामान्य आबादी, विशेष कर उदीयमान सुग्राही समूहों के बीच एच.आई.वी. संबंधी जोखिमों के बारे में चिंता कम हुई है (क्योंकि ये यौन संबंध बनाने के लिए इंटरनेट को अहमियत देते हैं)।

जोखिमपूर्ण व्यवहार, सुरक्षित यौन पद्धतियों के बारे में संदेशों का प्रसार करने, जाँच और उपचार अनुपालन को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखने वाले अभियानों की रूपरेखा बनाने की आम सहमति बनी। मुंबई में संवाद पहलों में सहायता के लिए कापोरेट सहभागियों की क्षमता का लाभ उठाने की आवश्यकता अत्यधिक महत्वपूर्ण महसूस की गई।

“मुंबई फास्ट-ट्रेक सिटी कार्ययोजना” पर कार्यशाला



“फास्ट-ट्रेक सिटी कार्य योजना” कार्यशाला में संवाद करते सहभागी

मुंबई ‘फास्ट-ट्रेक सिटीज’ पहल के लिए हस्ताक्षर करने वाले पहले भारतीय शहरों में से एक है। तब से एम.डी.ए.सी.एस. द्वारा 2020 तक 90:90:90 के लक्ष्य हासिल के प्रयास किए जा रहे हैं। प्रगति में तेजी लाने के लिए, एम.डी.ए.सी.एस. ने यूएनएड्स के समन्वय के साथ 10 एवं 11 अप्रैल, 2018 को ‘मुंबई फास्ट-ट्रेक सिटी कार्य योजना’ विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में सरकारी, अंतर्राष्ट्रीय एवं नागरिक समाज के संगठनों के सहभागियों ने भाग लिया। दो दिन सामूहिक कार्यों, प्रस्तुतियों और सूचनाप्रद परिचर्चाओं

के बाद, यह मंच इस विचार पर सहमत था कि मुंबई फास्ट-ट्रेक सिटी कार्य योजना की प्राथमिकता उन लोगों तक पहुंचना होगी, जिन्होंने मुख्य आबादी के रूप में अपना अभिनिर्धारण नहीं किया है और इस प्रकार, लक्षित हस्तक्षेपों का लाभ नहीं उठाते हैं। इनमें 10 से 19 वर्ष के किशोर और युवा वयस्क, नियमित साथी और जीवन साथी और वास्तविक एवं आभासी, दोनों नेटवर्कों में अन पहुँचे लोग शामिल होंगे। मंच ने सेवा उपलब्ध कराने हेतु प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की पहचान की और सहमति जताई कि उपलब्ध कराई जाने वाली सेवाओं को

एच.आई.वी./एड्स से अनिवार्यतः आगे जाना चाहिए और सर्वांगीण स्वास्थ्य एवं कल्याण के लिए होनी चाहिए, और इस प्रकार जोखिमपूर्ण आचरणों के लिए प्रेरित करने वाली मुख्य सुग्राहिताओं का निवारण होगा। मंच ने एस.बी.सी.सी. सहित सेवाओं का जमीन पर मौजूद हस्तक्षेपों के साथ एकीकरण करने पर बल दिया। अगले कदम के रूप में, मुंबई शहर हेतु व्यावहारिक, कार्यान्वयन योग्य योजना तैयार करने के लिए सिफारिशों को विस्तारपूर्वक प्रस्तुत किया जा रहा है।

मुंबई डी.ए.सी.एस.

हरियाणा

होमगार्ड के जवानों के साथ संवेदीकरण कार्यशाला



हरियाणा में होमगार्ड के जवानों के साथ संवेदीकरण कार्यशाला में सहभागी

कमांडेंट जनरल होमगार्ड और निदेशक नागरिक सुरक्षा, हरियाणा में होमगार्ड विभाग के साथ एक संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में होमगार्ड के कुल 42 जवानों का सेंसिटाइज किया गया।

सेंसिटाइज कार्यशाला एवं जांच शिविर



23 अप्रैल, 2018 को हरियाणा में एक सेंसिटाइज कार्यशाला एवं जांच शिविर का आयोजन किया गया जिसमें आई.ओ.सी.एल. पानीपत रिफाइनरी के 150 कर्मियों का निःशुल्क सेंसिटाइज किया गया।

ई.एल.एम.परियोजना के अंतर्गत प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (टीओटी)

26 अप्रैल, 2018 को नियोजित संचालित मॉडल (ईएलएम) परियोजना के अंतर्गत बेंगलुरु में शशि एक्सपोर्ट्स गारमेंट्स की नर्सों के लिए प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। कुल मिलाकर, कर्नाटक की 30 यूनिट्स से 30 नर्सों ने इस टीओटी में भाग लिया।



ईएलएम कार्यक्रम के अंतर्गत टीओटी में सहभागी

कर्नाटक एस.ए.सी.एस.

छत्तीसगढ़

ब्लड बैंकों के लिए सतत चिकित्सीय शिक्षा के संबंध में एक दिवसीय संवेदीकरण

5 जून, 2018 को छत्तीसगढ़ राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी ने राज्य के खाद्य एवं औषध प्रशासन विभाग और एम्स, रायपुर के साथ मिलकर एम्स रायपुर में ब्लड बैंकों के लिए सतत चिकित्सीय शिक्षा (सीएमई) पर एक दिवसीय संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया। श्री अजय चन्द्राकर, माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, छत्तीसगढ़ सरकार ने इसका उद्घाटन और अध्यक्षता की तथा श्री आर. प्रसन्ना (आई.ए.एस.), विशेष सचिव, समाज कल्याण, खेलकूद एवं युवा विभाग, छत्तीसगढ़ सरकार, श्रीमती रानु साहु (आई.ए.एस.), निदेशक स्वास्थ्य सेवाएं, डॉ. नितिन नगरकर, निदेशक (एम्स, रायपुर), श्री पी.वी. नरसिम्हा, अध्यक्ष (एफ.डी.ए.) और श्री ए.पी. त्रिपाठी (आई.ए.एस.), विशेष सचिव स्वास्थ्य द्वारा सह-अध्यक्षता की गई। राज्य के सभी ब्लड बैंकों से संरक्षित और उत्कृष्ट रक्त सुनिश्चित करने के लिए, सी.एम.ई., एस.बी.टी.सी. की सतत प्रक्रिया में एक कदम था। सभी 77 ब्लड बैंकों के प्रभारी



श्री अजय चंद्राकर, माननीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री, छत्तीसगढ़ सरकार सहभागियों को संबोधित करते हुए

चिकित्सा अधिकारियों और वरिष्ठ लैब तकनीशियनों ने इस कार्यशाला में भाग लिया। श्री अजय चंद्राकर ने दोहराया कि सरकार सभी जरूरत मंद रोगियों के लिए संरक्षित और उत्कृष्ट रक्त उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है क्योंकि वर्ष 2000 में सिर्फ 7 ब्लड बैंक थे जो अब बढ़कर 77 हो

गए हैं। श्री आर. प्रसन्ना, सचिव समाज कल्याण विभाग ने सभी के लिए रक्त की उपलब्धता पर बल दिया। श्रीमती रानु साहु, निदेशक स्वास्थ्य सेवाएं ने एच.आई.वी. का पता लगाने में नई प्रौद्योगिकी, विशेषकर एन.ए.टी. मशीन की उपयोग करने की आवश्यकता पर बल दिया।

समुदाय आधारित अनुवीक्षण जाँच का राज्य स्तरीय लोकार्पण

10 मई, 2018 को श्रीमती रानु साहु, निदेशक स्वास्थ्य सेवाएं और परियोजना निदेशक छत्तीसगढ़ राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी ने ट्रकर्स पार्किंग नंबर 5, बीरगांव, रायपुर में समुदाय आधारित अनुवीक्षण जाँच (सी.बी.एस.टी.) का लोकार्पण किया। अब, छत्तीसगढ़ के 12 जिलों में और 27 उच्च जोखिम क्षेत्रों में सी.बी.एस.टी. कार्यान्वित किया जा रहा है। पी.एल.एच.आई.वी. की पहचान करने और फिर बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के लिए उन्हें ए.आर.टी. से जोड़ने के लिए एच.आर.जी.का अनुवीक्षण करने हेतु स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया।

व्यस्त जिंदगी और जागरुकता की कमी के कारण, उच्च जोखिम समूह (एच.आर.जी.) के लोग अस्पताल जाने से बचते हैं। निदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं और निदेशक परियोजना, सीजीएस.ए.सी.एस. ने सी.जीएस.ए.सी.एस. के कर्मचारियों को एच.आर.जी. के जिलों की पहचान करने और मौके पर ही अनुवीक्षण हेतु शिविर लगाने का निर्देश दिया और यदि जाँच में पॉजीटिव पाए जाते हैं तो उन्हें निःशुल्क परामर्श एवं दवाओं के लिए ए.आर.टी. केन्द्रों से जोड़ा जाना चाहिए। डॉ. एस.के. बिंजवार, अपर परियोजना निदेशक, सी.जी.एस.ए.सी.एस. ने परियोजना

(सी.बी.एस.टी.) के बारे में संक्षेप में बताया। श्री वाई.एन. तिवारी, अध्यक्ष, परिवहन एसोसिएशन, रायपुर ने कहा कि वे लोग बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के लिए गैर-सरकारी संगठनों को सभी प्रकार की सहायता उपलब्ध कराते हैं। शिविर में उच्च जोखिम आचरण वाले 419 लोगों जैसे एफ.एस.डब्ल्यू. (महिला सैक्स वर्कर) आई.डी.यू. (इन्जेक्टिंग ड्रग यूजर), ट्रकर्स की मौके पर ही जांच की गई और एक को एच.आई.वी. पॉजीटिव पाया गया।

छत्तीसगढ़ एस.ए.सी.एस.

मेघालय

तूबेर बेहदेन्खालम महोत्सव



तूबेर बेहदेन्खालम महोत्सव में जागरुकता अभियान

जैतिया पहाड़ियों में एक धार्मिक संस्था—सैन रैजों के बीच सबसे बड़े सैन रैज—तूबेर केनियाम—त्रे, नियाम—तिन्ने के अनुयायी लोग सर्वाधिक रंगबिरंगा महोत्सव मनाते हैं जो पूर्वी जैतिया पहाड़ियों में तूबेरकमई शानौंग गांव में पवित्र पंकिल जल—बियार या ऐतनार में 16 जुलाई को शुरु

और 19 जुलाई 2018 को समाप्त हुआ। जैतिया पहाड़ियों में स्थित साठ अतुल्य गांवों से नई सोच वाले रॉट (रथ) और झांकियां लाई गई थीं और सभी लिखित संदेशों के साथ आए थे। मेघालय एड्स नियंत्रण सोसायटी ने भी एच.आ.ई.वी./एड्स जागरुकता संदेशों वाली दो

झांकियों को प्रायोजित किया था। एस.ए.सी.एस. ने पर्चे भी बांटे, कंडोम को बढ़ावा देने के लिए बैनर लगाए और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के साथ एक रोड शो किया।

शिक्षा विभाग के साथ राज्य स्तरीय संयुक्त कार्यकारी समूह की बैठक



शिक्षा विभाग के साथ संयुक्त कार्यकारी समूह की राज्य स्तरीय बैठक में सहभागी

9 मई, 2018 को शिलौंग में अतिरिक्त सचिवालय में शिक्षा विभाग, मेघालय सरकार और मेघालय एड्स नियंत्रण सोसायटी के संयुक्त कार्यकारी समूह की राज्य स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में डॉ. एस. निंगदोह, परियोजना निदेशक, मेघालय एड्स नियंत्रण सोसायटी, शिलौंग उपस्थित थे और श्री डब्ल्यू.आर. लिंगदोह, सचिव, शिक्षा विभाग, मेघालय सरकार ने अध्यक्षता की, और उच्च एवं तकनीकी शिक्षा निदेशालय, विद्यालयी शिक्षा एवं साक्षरता निदेशालय और शैक्षणिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण निदेशालय के अधिकारियों ने भाग लिया। उन्होंने ए.ई.पी और आर.आर.सी. परियोजनाओं के सुदृढीकरण के द्वारा एच.आई.वी./एड्स के बारे में अधिक जागरूकता लाने के लिए शिक्षा को एक साधन के रूप में प्रयोग करने के बारे में अपने विचारों और राय को साझा किया।

परिणाम:

उच्चतर एवं तकनीकी शिक्षा निदेशालय गैर-सहायता प्राप्त विश्वविद्यालयों, स्कूलों और कालेजों सहित सभी शिक्षण संस्थानों के प्राचार्यों को उनके संस्थानों में एचआईवी/एड्स कार्यकलापों को कार्यान्वित करने के लिए तत्काल प्रभाव से एक नोडल अधिकारी और एक उप-नोडल अधिकारी नियुक्त करने के लिए आधिकारिक पत्र लिखेगा।

मेघालय एस.ए.सी.एस.

ओडिशा

राज्य सरकार की निधियों का लाभ उठाते हुए नवरंगपुर जिले के वी.एच.एन.डी. में समुदाय स्तरीय एच.आई.वी. जाँच – आर.एम.एन.सी.एच.+ए परियोजना के साथ पी.पी.टी.सी.टी. कार्यकलाप के संमिलन का प्रतिफल



सी.डी.एम.ओ. के साथ बैठक और कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा एच.आई.वी. जाँच का लोकार्पण



2017-18 में ओडिशा ने एच.एम.आई.एस. ए.एन.सी. पंजीकरण के अंतर्गत 91 प्रतिशत एच.आई.वी. जाँच का लक्ष्य हासिल किया था। लेकिन आंकड़ों से उजागर हुआ कि प्रथम तिमाही जाँच केवल 40 प्रतिशत है। प्रथम तिमाही के दौरान, सभी माताओं को शामिल करने के लिए, नवंबर, 2017 में वी.एच.एन.डी. स्तरीय एच.आई.वी. जांच बोलनगीर जिले में शुरू की गई थी और उसके बाद 13 सघन जिलों (प्रत्येक ब्लॉक

में एक) में शुरू की गई थी।

15 मई 2018 को कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा वी.एच.एन.डी. स्तरीय एच.आई.वी. जांच नवरंगपुर के दो जिलों अर्थात् पुजारिया गुडा और नंदाहांडी के दो सी.एच.सी. में शुरू की गई थी और 3 माह में कुल 41 एस.सी.को शामिल गया था। तत्पश्चात, वी.एच.एन.डी. में पहली मुलाकात के दौरान सभी ए.एन.सी. की जांच करने के

लक्ष्य के साथ पूरे जिले में योजना को क्रियान्वित किया जाएगा। उसी दिन, एक ही बार में, चार तरह की जांच, अर्थात् एच.आई.वी. उपदंश, हीमोग्लोबिन और ब्लड शुगर की जांच की गई। वी.एच.एन.डी. स्तरीय एच.आई.वी. जांच एन.एच.एम.और राज्य सरकार में ओ.एस.सी.एस.के पी.पी.टी.सी.टी. कार्यक्रमलाप के सही संमिलन को दर्शाता है।

ओडिशा ए.एस.सी.एस

गोवा

छात्रों के लिए एच.आई.वी./एड्स कार्यक्रम सत्र



गोवा में एच.आई.वी./एड्स कार्यक्रम सत्र में छात्रों को जागरूक किया गया

28 नवंबर, 2018 को मापुसा आईटीआई, पेदेम मापुसा के छात्रों के लिए एच.आई.वी./एड्स जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सी.ओ.पी.ए., इलेक्ट्रॉनिक मैकेनिक, आई.सी.टी.एस.एम., एम.एम.वी., एस.पी.और इलेक्ट्रीशियन ट्रेड के जूनियर ट्रेड प्रशिक्षणार्थियों ने इस

कार्यक्रम में भाग लिया।

गोवा एस.ए.सी.एस. के अन्य पदाधिकारियों सहित डॉ. अनिल उमरसकर, चिकित्सा अधिकारी, यू.एच.सी. मापुसा; डॉ. शिवाली प्रभुदेसाई, वरिष्ठ परामर्शदाता, चिकित्सा अधिकारी और श्रीमती जेनुसी डी. फर्नांडीज,

सहायक निदेशक (युवा कार्य) गोवा एस.ए.सी.एस. ने अपने विचार प्रस्तुत किए।

इस कार्यक्रम में श्रीमती नितिजा गोवेकर, परामर्शदाता, यू.एच.सी. मापुसा भी उपस्थित थीं। संवादात्मक चर्चा के साथ सत्र का समापन हुआ।

मानव संसाधन कर्मचारियों के लिए संवेदीकरण कार्यशाला



सुश्री सुनीता अरुद्रा, प्रभारी उपनिदेशक कार्यशाला में सहभागियों को संबोधित करती हुई

7 दिसंबर, 2018 को गोवा राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी ने गोवा चैंबर ऑफ कॉमर्स और इंडस्ट्रीज (जीसीसीआई), पणजी में कारखाना और बॉयलर संचालनलय के सहयोग से उद्योगजगत के मानव संसाधन कर्मचारियों के लिए संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन किया। यह कार्यशाला एच.आई.वी./एड्स और गोवा में उपलब्ध सेवाएं, हयूमन

इम्यूनोडेफिशिएंसी वायरस एवं एक्वायर्ड इम्यून डेफिशिएंसी सिंड्रोम (रोकथाम एवं नियंत्रण) अधिनियम, 2017 और अधिनियम के अंतर्गत प्रतिष्ठानों हेतु उपबंध के तहत नियमों की विस्तृत व्याप्ति पर केन्द्रित थी।

इस चर्चा का संचालन अधिवक्ता संजय उसगांवकर ने किया। श्री विवेक पी. मराटे, मुख्य निरीक्षक कारखाना और बॉयलर, श्री

यूरिको नरोन्हा, सह-अध्यक्ष, एच.आर. समिति जी.सी.सी.आई., श्रीमती शबनम शेख, सचिव नार्थ जी.एस.एल.एस.ए. — जिला न्यायाधीश, डॉ. जोश डिसूजा, परियोजना निदेशक, जी.एस.ए.सी.एस., डॉ. चंद्रकांत पोरोब, मुख्य चिकित्सा अधिकारी —जी.एस.ए.सी.एस, सुनीता अरुद्रा, प्रभारी उपनिदेशक मेनस्ट्रीमिंग ने कार्यशाला में भाग लिया।

गोवा एस.ए.सी.एस.

उत्तर प्रदेश

सी.आर.पी.एफ. शिविर के लिए
संवेदीकरण कार्यशाला



श्री जसबीर सिंह संधू, डी.आई.जी.-जी.सी.सीआरपीएफ सोसायटी के अधिकारियों को सम्मानित करते हुए ,

उत्तर प्रदेश एड्स नियंत्रण सोसायटी ने डॉ. शुभ्रा मित्तल, संयुक्त निदेशक, यू.पी.एस.ए.सी.एस. की अध्यक्षता में लखनऊ में सी.आर.पी.एफ. शिविर के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया। ये सत्र

एच.आई.वी./एड्स की बुनियादी जानकारी, एच.आई.वी./एड्स के कारणों और इनके प्रभाव, नियंत्रण उपायों, कामगारों के लिए कार्यस्थल नीति और एच.आई.वी./एस.टी.आई. सेवाओं का उनकी मौजूदा चिकित्सीय एवं अस्पताल सेवाओं में

एकीकरण पर केन्द्रित थे। श्री जसबीर सिंह संधू, डी.आई.जी.-जी.सी., सी.आर.पी.एफ. ने सोसायटी अधिकारियों को सम्मानित किया। इस विषय से संबंधित प्रश्नों पर आधारित एक संवादात्मक सत्र का भी आयोजन किया गया।

उत्तर प्रदेश एस.ए.सी.एस.

गुजरात

माननीय उप मुख्यमंत्री ने गुजरात में एच.आई.वी./एड्स नियंत्रण के सुदृढीकरण के लिए पायलट परियोजना यू.बी.आर.ए.एफ. का लोकार्पण किया



पायलट परियोजना यू.बी.आर.ए.एफ. के लोकार्पण अवसर पर 53 एच.आई.वी.+ महिलाएं और साम्या जीवन हेतु उनके संघर्ष की घटनाओं के अध्ययन की पुस्तक का विमोचन किया गया

श्री नितिन पटेल, माननीय उपमुख्यमंत्री, गुजरात सरकार ने गुजरात में एच.आई.वी./एड्स नियंत्रण हस्तक्षेपों का सुदृढीकरण करने के लिए पायलट परियोजना यू.बी.आर.ए.एफ. (एकीकृत बजट, परिणाम और जवाबदेही फ्रेमवर्क) का औपचारिक लोकार्पण किया, जिसका लक्ष्य यू.एन.एड्स की वित्तीय एवं तकनीकी सहायता से राज्य में 2020 तक राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण परियोजना के लक्ष्यों को हासिल करने में तेजी लाना है। इस लोकार्पण कार्यक्रम का आयोजन श्री पूनमचंद परमार, आई.ए.एस., अपर मुख्य सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग और डॉ. जयंती रवि, आई.ए.एस., प्रधान सचिव, जन स्वास्थ्य एवं परिवार, स्वास्थ्य आयुक्त, चिकित्सा सेवाएं, चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण और परियोजना निदेशक, गुजरात राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी की

विशिष्ट और गरिमामयी उपस्थिति में किया गया।

श्री नितिन पटेल, माननीय उपमुख्यमंत्री, गुजरात सरकार ने कहा कि, "गुजरात सरकार यू.एन.एड्स और सात वैश्विक संस्थानों, अर्थात् विश्व स्वास्थ्य संगठन, यू.एन.डी.पी., यू.एन.एफ.पी.ए., यूनीसेफ, यू.एन.ओ.डी.सी., यूनेस्को और आई.एल.ओ. की मदद से गुजरात को एच.आई.वी. मुक्त बनाने के लिए राज्यव्यापी अभियान शुरू करेगी। गुजरात सरकार अपने राज्य में 2020 तक 90:90:90 का लक्ष्य हासिल करने के लिए हरसंभव प्रयास करेगी।" डॉ. बिलाली कमारा, कंट्री डायरेक्टर फॉर इंडिया, ज्वाइंट यू.एन. प्रोग्राम ऑन एड्स (यू.एन.एड्स) ने एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया जिसमें संयुक्त राष्ट्र के विभिन्न संगठनों का

प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे, जो यू.बी.आर.ए.एफ. परियोजना को प्रायोजन कर रहे हैं। आगे उन्होंने कहा कि परियोजना के पूरा होने के बाद, केन्द्रीय रूप से प्रायोजित एन.ए.सी.पी. के महत्वाकांक्षी 90:90:90 के लक्ष्यों को हासिल करने में तेजी लाने के लिए गुजरात मॉडल का दूसरे राज्यों में अनुकरण किया जाएगा। इस समारोह में 53 एच.आई.वी.+ महिलाएं और साम्या जीवन हेतु उनके संघर्ष की घटनाओं के अध्ययन की पुस्तक का विमोचन किया गया। गुजरात राज्य में एच.आई.वी.+ लोगों के नेटवर्क द्वारा प्रकाशित इस पुस्तक का उद्देश्य एच.आई.वी.+ लोगों के संघर्ष और उनके योगदान के बारे में जन जागरूकता का सृजन करना है।

गुजरात एस.ए.सी.एस.

पश्चिम बंगाल

सर्व सेवा केन्द्र विधि:

आई.सी.टी.सी. में ए.आर.टी. सेवाएं



आई.सी.टी.सी. में ए.आर.टी. सेवा के दौरान परामर्श

एच.आई.वी. संक्रमित गर्भवती महिलाओं के लिए ए.आर.टी. शुरू करने में विलंब का न्यूनीकरण करने और एक ही छत्र के अंतर्गत पी.पी.टी.सी.टी. सेवाओं के सभी पहलू उपलब्ध कराने के उद्देश्य से, साथी (SAATHII) के सहयोग से पश्चिम बंगाल में सागर दत्ता मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एक पायलट परियोजना अर्थात् नई पॉजीटिव पाई गई गर्भवती महिलाओं और उनके परिवार के सदस्यों के लिए आई.सी.टी.सी. में ए.आर.टी. सेवा शुरू की गई है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य, जहां आई.सी.टी.सी. स्थित है, वहां ए.आर.टी. प्रारंभ करना है जिसमें बेसलाइन जाँच, समयानुवर्ती संक्रमणों का रोगोपचार, आवश्यक रेफरल एवं लिंकेज, और त्पश्चात प्रतिष्ठन द्वारा आजीवन अनुवर्तन शामिल है।

अंतर-विभागीय बैठक



विभिन्न मंत्रालयों के साथ अंतर-विभागीय बैठक

27 जुलाई, 2018 को डब्ल्यू.बी.एस.ए.पी. एंडसी.एस. ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास, परिवहन, श्रम, खाद्य एवं आपूर्ति, सुधार सेवाएं, शहरी विकास एवं नगरपालिका विभागों, पुलिस प्रशिक्षण स्कूल, स्वामी विवेकानंद पुलिस प्रशिक्षण अकादमी, कोल इंडिया, डी.वी.सी., टी बोर्ड इंडिया, पूर्व

रेलवे, सी.बी.डब्ल्यू.ई., आर्मी मेडिकल कार्पस, सी.आई.एस.एफ., एस.एल.एस.ए., के.ओ.पी.टी., गार्डन रीच रेलवे अस्पताल, सी.ई.एस.सी. लिमिटेड, लार्सन एंड टर्बो लिमिटेड, टी.एस.यू. के प्रतिनिधियों, बी.एन.पी. के प्रतिनिधि और डब्ल्यू.बी.एस.ए.पी.एंडसी.एस. के

जे.डी./डी.डी./ए.डी. उपस्थित थे। बैठक की अध्यक्षता श्री सुरेन्द्र गुप्ता, सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और परियोजना निदेशक, डब्ल्यू.बी.एस.ए.पी. एंड सी.एस. ने की। श्री शरद द्विवेदी, संयुक्त सचिव, विभाग एवं अपर परियोजना निदेशक भी बैठक में उपस्थित थे।

पश्चिम बंगाल एस.ए.सी.एस.

अंडमान एवं नीकोबार

संवेदीकरण कार्यशाला



एच.आई.वी./एड्स, तपेदिक और प्रजनन बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के संबंध में संवेदीकरण कार्यशाला

11 सितंबर, 2018 को डेरी फार्म कॉम्युनिटी हॉल में अंडमान एवं नीकोबार एड्स नियंत्रण सोसायटी ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एन.एच.एम.) के सहयोग से एच.आई.वी./एड्स, टीबी एवं प्रजनन बाल

स्वास्थ्य कार्यक्रम के संबंध में एक संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला में आम जनता के 120 सहभागियों और पी.बी.एम.सी. के सफाई कामगारों के अलावा, डॉ. जहांआरा

यासमीन, डी.डी. (आई.ई.सी.), श्री गिरीश कुमार, ए.डी. (एस.पी.एम.), डॉ. सिद्धाराजू, डी.डी. (मलेरिया) और आर.सी.एच., डॉ. राकेश कुमार, जूनियर रेजीडेंट, तपेदिक एवं वक्ष ने भाग लिया।

अंडमान नीकोबार एस.ए.सी.एस.

चंडीगढ़

एच.आई.वी./एड्स जागरुकता एवं सी.बी.टी. अभियान का लोकार्पण



एच.आई.वी./एड्स जागरुकता अभियान का लोकार्पण

चंडीगढ़ राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी ने प्रो. राज कुमार, उप कुलपति, पंजाब विश्वविद्यालय, डॉ. वनिता गुप्ता, परियोजना निदेशक, चंडीगढ़ एस.ए.सी.एस., डॉ. देवेन्द्र धवन, सी.एम.ओ., प्रो. नाहर सिंह, संकायाध्यक्ष, विद्यार्थी कल्याण (पुरुष), प्रो. नीना कप्लाश, संकायाध्यक्ष, विद्यार्थी कल्याण (महिला), विद्यार्थी केन्द्र, पंजाब विश्वविद्यालय की उपस्थिति में पंजाब विश्वविद्यालय में एच.आई.वी./एड्स जागरुकता अभियान प्रारंभ किया। डॉ. वनिता गुप्ता, चंडीगढ़ राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी ने बताया कि भारत में कुल आबादी के कुल 34.8 प्रतिशत युवाओं को एच.आई.वी. का खतरा है और नियमित रक्तदाता के रूप में युवाओं को आगे आने के लिए प्रेरित करना जरूरी है। इस कार्यक्रम के शुरु होने से विद्यार्थियों को जानकारी प्राप्त करने और विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य केन्द्र में निःशुल्क परामर्श एवं जांच की सुविधा का लाभ उठाने में मदद मिलेगी।

चंडीगढ़ एस.ए.सी.एस.

महाराष्ट्र

राष्ट्रीय निःशुल्क टेलीफोन नंबर "1097" का प्रचार

सड़क परिवहन और राजमार्ग विभाग MINISTRY OF ROAD TRANSPORT & HIGHWAYS GOVERNMENT OF INDIA (MORTH)	
Toll Plaza Name	: SINNAR KM 195.8
Section	: (192 km TO 198 km)
Ticket No.	: 180815020600358
Booth & Operator ID	: L06 / 800006
Date & Time	: 15/Aug/2018 11:53:50
Vehicle No.	: MH15EP6435
Type of Vehicle	: Car
Type of Journey	: Commercial Vehicles
Fee	: Rs. 15.00
-----Only for overloaded vehicle-----	
Standard Wt. of vehicle	: 7500 KG
Actual Wt. of vehicle	: 0 KG
Overloaded vehicle Fees	: Rs. 0.00
Total Fees	: Rs. 15.00

HIV/AIDS Helpline No. 1097

****WISH YOU SAFE & HAPPY JOURNEY****

Scanned by CamScanner



नासिक में जिला एड्स रोकथाम नियंत्रण इकाई (डी.ए.पी.सी.यू.) ने विशेष रूप से ट्रक/ट्रांसपोर्ट ड्राइवर्स के लिए राष्ट्रीय निःशुल्क एड्स हेल्पलाइन टेलीफोन नंबर प्रिंट करने के लिए एन.एच.ए.आई. और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग विभाग के साथ मिलकर पक्षसमर्थन। महाराष्ट्र में नासिक ऐसी पहल करने वाला पहला जिला है।

महाराष्ट्र एस.ए.सी.एस.

प्यार के बड़े-बड़े इम्तिहानों की शुरुआत, HIV के छोटे से टेस्ट के साथ.

असुरक्षित यौन संबंध से दूर रहें एच.आई.वी. संक्रमित युद्ध का इस्तेमाल न करें

सरकारी अस्पतालों में एच.आई.वी. की जांच एवं इलाज गुप्त और मुफ्त.
अधिक जानकारी के लिए टेल फ्री नम्बर 1097 पर कॉल करें।



एच.आई.वी.
से बचाव, स्टाईफ का असली
इम्तिहान



संरक्षक: श्री संजीव कुमार, अपर सचिव एवं महानिदेशक (नाको एवं आर.एन.टी.सी.पी.), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

संयुक्त सचिव, नाको: श्री अशोक सक्सेना, संयुक्त सचिव, नाको

संपादक: डॉ. नरेश गोयल, डी.डी.जी. (नाको)

संपादकीय पैनल: डॉ. आर.एस. गुप्ता (डी.डी.जी.), डॉ. ए.के. पुरी (डी.डी.जी.), डॉ. शोभिनी राजन (ए.डी.जी.), डॉ. राजेश राणा (राष्ट्रीय परामर्शदाता), नाको, सुश्री नेहा पाण्डेय (परामर्शदाता), नाको

नाको समाचार, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय का सूचनापत्र है।

6वां तल और 9वां तल चंद्रलोक बिल्डिंग, 36 जनपथ, नई दिल्ली-110001 | टेलीफोन: 011-4359930, फैक्स: 011-23731746 NACO

संपादन, डिजाइन एवं प्रकाशन: द विजुअल हाउस, ईमेल: :tvh@thevisualhouse.in